

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

सीएम उमर अब्दुल्ला ने स्टेटहुड के लिए प्रदर्शन से किया इनकार, लद्दाख और कश्मीर में हालात का उदाहरण दिया

Publisher

Published on 01 Oct 2025



जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री **उमर अब्दुल्ला** ने राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सड़क पर प्रदर्शन करने से साफ तौर पर इनकार किया है। उन्होंने हाल ही में अपने बयान में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में ऐसा करना ठीक नहीं होगा। उमर अब्दुल्ला ने **लेह और कश्मीर** के हालात का हवाला देते हुए कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से प्रदर्शनकारियों के लिए यह अत्यधिक जोखिम भरा हो सकता है।

सीएम उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस समय आया है, जब राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर कई समूह और संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लद्दाख में हाल के वर्षों में हुए प्रदर्शन और विरोध में लोगों को गोलीबारी में मारे जाने की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि “लद्दाख में एक घंटे में लोगों को मार दिया गया, कश्मीर में तो 10 मिनट भी नहीं लगेंगे,” जिससे स्पष्ट होता है कि वर्तमान माहौल में सड़क पर प्रदर्शन करना **जीवन के लिए खतरा** बन सकता है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों और राजनीतिक मांगों को लेकर **सुरक्षित और शांतिपूर्ण माध्यमों** का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्य के लोगों की सुरक्षा और उनकी जान सर्वोपरि है। ऐसे में हिंसक या जोखिम भरे प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं कर सकते।

मुख्यमंत्री ने अपने बयान में यह भी कहा कि स्टेटहुड की मांग महत्वपूर्ण है और इसके लिए वे **राजनीतिक और संवैधानिक रास्तों** के माध्यम से प्रयास करेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वे धैर्य रखें और ऐसे समय में संयमित और जिम्मेदार रवैया अपनाएं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि किसी भी आंदोलन में **अत्यधिक हिंसा और जान-माल की हानि** राज्य और समाज दोनों के लिए नुकसानदेह साबित होगी।

सीएम उमर अब्दुल्ला का यह बयान जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक और सामाजिक वातावरण को संतुलित करने की कोशिश के रूप में

देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग लंबे समय से स्टेटहुड की मांग कर रहे हैं और इसके लिए **संवैधानिक प्रक्रिया और संवाद** ही सबसे सही रास्ता है।

राज्य में पिछले कुछ वर्षों में स्टेटहुड की मांग को लेकर कई बार **सड़कों पर प्रदर्शन और विरोध** देखने को मिला। इनमें कुछ प्रदर्शन शांतिपूर्ण थे, जबकि कुछ में हिंसा की घटनाएं भी हुईं। ऐसे में उमर अब्दुल्ला ने यह स्पष्ट किया कि अब कोई भी नेता या संगठन बिना योजना और सुरक्षा उपायों के ऐसे प्रदर्शन का समर्थन नहीं करेगा।

सीएम ने यह भी बताया कि लद्दाख और कश्मीर में हालात अभी संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की मौजूदगी और राजनीतिक तनाव के चलते किसी भी प्रदर्शन में **गंभीर परिणाम** हो सकते हैं। उनका कहना है कि जनता की सुरक्षा और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए ही राजनीतिक कदम उठाने चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, उमर अब्दुल्ला का यह बयान संकेत देता है कि वे **शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से ही स्टेटहुड की मांग को आगे बढ़ाना चाहते हैं।** उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी जोखिम भरे कदम से जनता की जान और राज्य की स्थिरता खतरे में पड़ सकती है।

मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से अपील की कि वे राजनीतिक विचारों और मांगों के बावजूद **शांति और संयम बनाए रखें।** उन्होंने कहा कि हिंसा और अराजकता किसी भी राजनीतिक मुद्दे का समाधान नहीं है और यह केवल समस्याओं को बढ़ाएगा।

इसके अलावा उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बलों के साथ **सहयोग और संवाद** जारी रखना आवश्यक है। उनका मानना है कि जनता और सरकार के बीच सकारात्मक संवाद ही **राजनीतिक स्थिरता और विकास** का आधार बन सकता है।

अंततः कहा जा सकता है कि **उमर अब्दुल्ला का स्टेटहुड प्रदर्शन से इनकार** जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक स्थिरता और जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का संकेत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह का सड़क प्रदर्शन या हिंसक आंदोलन फिलहाल राज्य के लिए खतरा बन सकता है और इसलिए सभी कदम **संविधान और कानूनी प्रक्रिया के तहत ही उठाए जाने चाहिए।**

इस बयान ने राजनीतिक दलों, नागरिक संगठनों और जनता के बीच गहन चर्चा पैदा की है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि उमर अब्दुल्ला का यह रुवैया **जिम्मेदार और दूरदर्शी** है, जो राज्य में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगा।